दीक्षांत समारोह | रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय का 36वां दीक्षांत समारोह ,राष्ट्रपति के हाथों सम्मान पाना अविस्मरणीय, 240 स्वर्ण पदकों के साथ 182 पीएचडी की उपाधि की गई वितरित

युवाओं के कंधों पर देश का भविष्य, संकल्प से बनेगा विकसित भारत : राष्ट्रपति

नवभारत,जबलपुर। शिक्षण संस्थान केवल डिग्री देने के केंद्र नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मक सोच के विकास के प्रमुख केंद्र होते हैं। विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाषाओं के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना भी विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। युवाओं के कंधों पर देश का भविष्य टिका है और उनके ज्ञान, ऊर्जा तथा संकल्प से विकसित भारत का सपना साकार होगा।

आधुनिकता और परंपरा के संतुलन से ही देश का समग्र विकास संभव है। आज विश्व तेजी से बदल रहा है और जीवनशैली में भी तीव्र परिवर्तन आ रहा है, लेकिन इस बदलते दौर में भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए।

देश के युवाओं को भारत के सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्शों को अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए। सत्य, अहिंसा, करुणा, सेवा और ईमानदारी जैसे मूल्य भारतीय चेतना का अभिन्न हिस्सा हैं। इन मूल्यों को जीवन में अपनाकर युवा न केवल कठिन परिस्थितियों का दृढ़ता से सामना कर सकते हैं, बल्कि आदर्श नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

ये सारी बातें रविवार को राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहीं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विभिन्न संकायों में एक से अधिक स्वर्ण पदक अर्जित करने वाले 20 छात्र-छात्राओं को अपने करकमलों से स्वर्ण पदक प्रदान किया और उपाधियों का वितरण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 141 विद्यार्थियों को 240 स्वर्ण पदकों का वितरण किया गया। साथ ही 182 शोधार्थियों को पीएचडी सहित विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं। मंचीय कार्यक्रम के पूर्व महामहिम राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित की।

ऐसे हुई शुरूआत

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात कुलगुरु प्रो. डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। स्वागत भाषण में कुलगुरु डॉ वर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने पहली बार एनएएसी से ए+ ग्रेड प्राप्त किया है, जो संस्थान के लिए गौरव का विषय है।

स्वर्ण पदक धारकों एवं उपाधि प्राप्तकर्ताओं का राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री के साथ संयुक्त छायाचित्र समारोह का विशेष आकर्षण रहा। विद्यार्थियों ने इसे अपने जीवन की अविस्मरणीय उपलब्धि बताया।

जनजातीय समुदायों की समस्याओं को समझें : राष्ट्रपति

इस मौके पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु ने ये भी कहा कि शिक्षित युवा अपने आसपास के वंचित, ग्रामीण और जनजातीय समुदायों की समस्याओं को समझें, उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप समाधान विकसित करें और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि आज जो विद्यार्थी विश्वविद्यालय से निकल रहे हैं, वे भविष्य में अधिकारी, प्रोफेसर, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विभिन्न क्षेत्रों के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। ऐसे में उनका दायित्व और भी बढ़ जाता है कि वे समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

राष्ट्रपति के साथ फोटो नि :शुल्क प्रदान की

विगत दिन कुलगुरु ने विद्यार्थियों के लिए मंच से घोषणा की थी कि राष्ट्रपति के साथ दीक्षांत समारोह के दौरान की फ़ोटो विश्वविद्यालय द्वारा उसी दिन दीक्षांत समारोह सम्पन्न होने के पश्चात निशुल्क प्रदान की जायेगी। विश्वविद्यालय ने रविवार को दीक्षांत समारोह के समापन के तुरंत बाद विद्यार्थियों को राष्ट्रपति के साथ ली गई फोटो निशुल्क प्रदान कर अनुकरणीय पहल प्रारंभ की है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, लखन घनघोरिया, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, संभागायुक्त धनंजय सिंह, कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

उपाधियों एवं स्वर्णपदकों का वितरण

राष्ट्रपति के प्रेक्षागृह से प्रस्थान के बाद एक के बाद एक सभी संकाय के संकायाध्यक्षों को दीक्षांत के मंच पर अपने-अपने संकाय के उपाधिधारकों के नाम विषयवार प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया एवं दीक्षांत के मंच से उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार एवं कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा, कार्यपरिषद सदस्यों की उपस्थिति में शेष स्वर्णपदक धारियों को पदक एवं उपाधिधारकों को उपाधियों का वितरण किया गया।

डिग्री को राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का माध्यम बनाएं विद्यार्थी : राज्यपाल

राज्यपाल एवं कुलाधिपति मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह का राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होना हम सभी के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। छात्र-छात्राओं की डिग्री केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि विकसित भारत के निर्माण, नवाचार और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को आकार देने वाली शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे रानी दुर्गावती सहित देश के महान जननायकों के शौर्य, लोककल्याण और संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेकर समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें।श्री पटैल ने ये भी कहा कि जब विद्यार्थियों के जीवन का एक नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है, तब समय की मांग है कि वे महारानी रानी दुर्गावती से मिली प्रेरणा को अपने जीवन में आत्मसात करें और लोकतांत्रिक मूल्यों, नारी सशक्तिकरण तथा विकसित भारत के संकल्प को अपना जीवन ध्येय बनाकर राष्ट्र की उन्नति में अपना श्रेष्ठ योगदान दें।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा : मुख्यमंत्री

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामयी उपस्थिति ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह को और अधिक गौरवशाली बना दिया है। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय केवल उच्च शिक्षा का संस्थान नहीं है, बल्कि यह वीरता, स्वाभिमान और बलिदान की उस गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जिसे अमर वीरांगना रानी दुर्गावती ने अपने साहस और अदम्य पराक्रम से स्थापित किया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा तथा यहां से निकलने वाली प्रतिभाएं देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

फर्जी बिलों के जरिए हुआ था 55 .60 करोड़ का घोटाला

ईडी की जबलपुर समेत रीवा में छापेमारी : 23 .50 लाख नगद जब्त, खातों में मिले 2 .93 करोड़

नवभारत, जबलपुर। मध्य प्रदेश में सड़क निर्माण के नाम पर हुए करोड़ों रुपये के डामर, बिटुमेन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। ईडी के भोपाल टीम ने जबलपुर समेत रीवा स्थित कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में नकदी और बैंक बैलेंस जब्त किया गया है। इसके साथ ही 55.60 करोड़ का घोटाला फर्जी बिलों के जरिए किए जाने का पर्दाफाश हुआ है। ईडी को तलाशी के दौरान भ्रष्टाचार की काली कमाई का बड़ा हिस्सा हाथ लगा है। जबलपुर समेत रीवा में चली छापेमारी के दौरान संपत्ति संबंधी दस्तावेजों, डिजिटल उपकरणों और 23.50 लाख रुपये की नकदी सहित विभिन्न आपत्तिजनक रिकॉर्ड बरामद कर जब्त किए गए। 2.93 करोड़ रुपये के बैंक बैलेंस और फिक्स्ड डिपॉजिट भी बरामद कर फ्रीज कर दिए गए।

ठेकेदारों, लोकसेवकों, अधिकारियों की मिलीभगत उजागर

सूत्रों के मुताबिक जांच में सामने आया कि यह पूरा घोटाला सरकारी धन को हड़पने की एक सुनियोजित साजिश थी। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि ठेकेदारों ने मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की परियोजना कार्यान्वयन इकाइयों के लोक सेवकों, अधिकारियों के साथ मिलकर फर्जी और मनगढ़ंत इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड , हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड आदि के चालान जमा करके सड़क निर्माण के डामर, बिटुमेन कार्य के लिए सरकारी भुगतान धोखाधड़ी से प्राप्त किया, जिसकी राशि 55.60 करोड़ रुपये थी, और इस प्रकार सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान पहुंचाया। जांच में यह भी पता चला कि उक्त तेल कंपनियों से संबंधित बिलों में हेराफेरी करके उन्हें जमा किया गया था, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में मिली हेराफेरी

इस घोटाले पर मध्य प्रदेश पुलिस, जबलपुर और रीवा की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा आईपीसी 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के विभिन्न प्रावधानों के तहत दर्ज की गई थी। विभिन्न एफआईआर के आधार पर ईडी ने पीएमएलए, 2002 के तहत जांच शुरू की। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), भोपाल क्षेत्रीय कार्यालय ने मध्य प्रदेश के जबलपुर और रीवा जिलों में विभिन्न परिसरों पर सड़क निर्माण में बिटुमेन से संबंधित फर्जी बिल जमा करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के लिए छापेमारी की। जिसमें घोटाले के साथ हेराफेरी उजागर हुई। मामले की आगे की जांच जारी है।

सुबह तीखी धूप, दोपहर बाद रिमझिम फुहारों से भीगा शहर

नवभारत, जबलपुर। शहर में रविवार को मौसम के कई रंग एक साथ देखने को मिले। सुबह की शुरुआत तेज और चुभती हुई धूप के साथ हुई, जिसने लोगों को उमस से बेहाल कर दिया दोपहर तक लोग तीखी गर्मी से परेशान थे लेकिन दोपहर बाद प्रकृति ने अचानक करवट बदली और आसमान का मिजाज पूरी तरह बदल गया। दोपहर में अचानक आसमान में काले-घने बादलों का डेरा जम गया इसके साथ ही ठंडी और तेज हवाएं चलने लगीं, जिससे चंद मिनटों में ही पूरा माहौल बदल गया कुछ ही देर में रिमझिम बारिश का दौर शुरू हो गया। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान शहरवासियों

के लिए रिमझिम फुहारों ने राहत दी। जिससे लोगों को चिपचिपी गर्मी से राहत मिली। हालांकि कुछ देर बाद बारिश थम गई थी। मौसम विभाग की माने तो 23 जून, के आसपास महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों तथा छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के और आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

ऐसा रहा तापमान

रविवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा । न्यूनतम तापमान 29 डिग्री पर पहुंच जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। सुबह के वक्त आद्रता 55 और शाम को 58 प्रतिशत दर्ज की गई। उत्तर-पश्चिमी हवाएं 6 से 7 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चली। चौबीस घंटे में 40 से 50 किमी की रफ्तार से आंधी चलने की संभावना है।

खूंखार श्वान ने काटा युवक की मौत

नवभारत, जबलपुर। गोहलपुर थाना क्षेत्र में खूंखार श्वान ने एक युवक पर अटैक कर उसे काट दिया ।हमले में युवक खून से लथपथ हो गया जिसे इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मृतक कौन है और कहां का रहने वाला है इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस जांच पड़ताल करते हुए उसकी शिनाख्तगी के प्रयास कर रही है। पुलिस के मुताबिक गोहलपुर क्षेत्र में अज्ञात युवक को कुत्ते बुरी तरह काट लिया ।श्वान के हमले में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया ।जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर की तमाम कोशिशों के बावजूद, रविवार सुबह करीब 6:30 बजे उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया।

अज्ञात वाहन ने युवक को कुचला, मौत

नवभारत, जबलपुर। पनागर थना अंतर्गत एन एच-30 पर बघेली के पास रविवार को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, ग्राम नई बस्ती कंदराखेड़ा परियट निवासी अनिल दाहिया (36) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रविवार सुबह करीब 5 बजे वह अपने घर पर था तभी पड़ोस में रहने वाली मासूम पूर्वी यादव रोते हुए उसके घर पहुंची। पूर्वी ने बताया कि उसके पिता प्रदीप उर्फ गोलू यादव का भाग्यश्री होटल के पास एक्सीडेंट हो गया है। सूचना मिलते ही अनिल दाहिया तुरंत ग्रामीणों के साथ मौके पर रवाना हुआ एनएच-30 बघेली स्थित भाग्यश्री होटल के पास पहुँचकर उन्होंने देखा कि प्रदीप यादव (34) मृत अवस्था में सड़क किनारे पड़ा हुआ था। वाहन की टक्कर से उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आई थीं, जिसके कारण उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि टक्कर मारकर भागने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाया जा सके।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से प्रकाशित एवं नेपियर टाऊन बस स्टैण्ड जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072,